राष्ट्रीय सहारा, वाराणसी, दिनांक 05.05.2020

डीरेका में 43 दिन बाद कार्यालय का कार्य शुरू

वाराणसी। डीजल रेल इंजन कारखाना में सोमवार से कार्यालयी कार्य को सुचारू रूप से संचालित करने हेतु पुनः खोला गया है । लगभग 43 दिन के अंतराल के पश्चात डीरेका प्रशासन द्वारा यह निर्णय लिया गया है कि डीरेका उपनगर के आवासों में रहने वाले कर्मचारियों से ही अधिकतम 33 फीसदी फॉर्मूला के आधार पर सेवायें ली जाय । विड 19 महामारी के दृष्टिगत कार्यालय समय को तीन भागों में बांटा गया है, ताकि प्रवेश द्वार पर एक समय में भीड़ इकट्ठी न हो । मुख्य द्वार एवं कार्यालय में दो मीटर के सामाजिक दूरी की व्यवस्था की गई है तथा प्रवेश द्वार पर सभी कर्मचारियों की थर्मल स्क्रीनिंग की जा रही है । साथ ही, सभी कार्यस्थलो, प्रवेश द्वारों आदि जगहों पर समय समय पर सेनिटीजेशन की व्यवस्था की गई है ।वदित हो कि वैश्विक महामारी कोरोना वायरस संक्रमण के कारण भारत सरकार के निर्देशानुसार डीरेका लगभग 43 दिन से बंद था। किंतु आवश्यक सेवाएं सिविल, विद्युत, सुरक्षा, चिकित्सा आदि अनवरत चालू रही।

आज, वाराणसी, दिनांक 05.05.2020

डीरेका में कार्यालयी कार्य शुरू

डीजल रेल इंजन कारखानाए वाराणसी में सोमवार से रुके हुए कार्यालयी कार्य को सुचारू रूप से संचालित करने हेतु पुनः खोला गया है

। लगभग ४३ दिन के अंतराल के पश्चात डीरेका प्रशासन द्वारा यह निर्णय लिया गया है कि डीरेका उपनगर के आवासों में रहने वाले कर्मचारियों से ही अधिकतम ३३ प्रतिशत फॉर्मूला के आधार पर सेवायें ली जाय । काविड- 1१९ महामारी के दृष्टिगत कार्यालय समय को तीन भागों में बांटा गया हैए ताकि प्रवेश द्वार पर एक समय में भीड़ इकट्ठी न हो । मुख्य द्वार एवं कार्यालय में दो मीटर के सामाजिक दुरी की व्यवस्था की गई है तथा प्रवेश द्वार पर सभी कर्मचारियों की थर्मल स्केनिंग की जा रही है । साथ हीए सभी कार्यस्थलों, प्रवेश द्वारों आदि जगहों पर समय समय पर सेनेटाइजर की व्यवस्था की गई है ।

हिन्दुस्तान, वाराणसी, दिनांक 05.05.2020

डीएलडब्ल्यू में कार्यालय के बाहर कर्मचारी की थर्मल स्कैनिंग करता सुरक्षाकर्मी।

डीरेका में थर्मल स्कैनिंग के बाद मिला : डीरेका में प्रशासनिक भवन 43 दिन बाद खुला। यहां भी परिसर में रहने वाले एक तिहाई कर्मचारियों को ही बुलाया गया। कार्यालय समय को तीन भागों में बांटा गया है, ताकि प्रवेश द्वार पर एक समय में भीड़ इकट्ठी न हो।

अमर उजाला, वाराणसी, दिनांक 05.05.2020

डीरेका के प्रशासनिक भवन में कामकाज हुआ शुरू

अमर उजाला ब्यूरो

डीरेका प्रशासनिक भवन के मुख्य द्वार पर कर्मचारियों की हो रही थर्मल स्क्रीनिंग

वाराणसी। डीजल रेल इंजन कारखाना के प्रशासनिक भवन में सोमवार से कामकाज शुरू हो गया। जबकि कारखाने में उत्पादन कार्य पर अगले आदेश तक रोक लगाई गई है।

डीरेका में आवश्यक सेवाएं जैसे सिविल, विद्युत, सुरक्षा, चिकित्सा आदि अनवरत चल रही हैं। लगभग 43 दिन के बाद डीरेका प्रशासन की ओर से यह निर्णय लिया गया कि डीरेका के आवासों में रहने वाले कर्मचारियों से ही अधिकतम 33 प्रतिशत फॉर्मूला के आधार पर सेवाएं ली जाएं। इसलिए कार्यालय के समय को तीन भागों में बांटा गया है। ताकि प्रवेश द्वार पर एक समय में भीड़ न हो। मुख्य द्वार एवं कार्यालय में दो मीटर की सामाजिक दूरी की व्यवस्था की गई है। प्रवेश द्वार पर सभी कर्मचारियों की थर्मल स्क्रीनिंग की जा रही है। साथ में सैनिटाइजर की व्यवस्था की गई है । कर्मचारियों को सतर्कता बरतने का निर्देश दिया गया है।

दैनिक भास्कर, वाराणसी, दिनांक 05.05.2020

डीरेका में सोशल डिस्टेंस के साथ कार्य प्रारम्भ

वाराणसी। डीजल रेल इंजन कारखाना में सोमवार से रुके हुए कार्यालय के कार्य को संचालित करने के लिए पुनः खोला गया। लगभग 43 दिन के अंतराल के बाद डीरेका प्रशासन द्वारा यह निर्णय लिया गया कि डीरेका उपनगर के आवासों में रहने वाले कर्मचारियों से ही अधिकतम 33 प्रतिशत फॉर्मूला के आधार पर सेवायें ली जाय। कोरोना वायरस जैस महामारी को ध्यान में रखते हुए कार्यालय समय को तीन भागों में बांटा गया है, ताकि प्रवेश द्वार पर एक समय में भीड़ इकट्ठी न हो। मुख्य द्वार एवं कार्यालय में दो मीटर के सामाजिक दुरी की व्यवस्था की गई है। प्रवेश द्वार पर सभी कर्मचारियों का थर्मल स्कैनिंग की जा रही है। साथ ही, सभी कार्यस्थलो, प्रवेश द्वारों आदि जगहों पर समय समय पर सैनिटाइज की व्यवस्था की गई है। मुख्य जनसंपर्क अधिकारी नितिन मेहरोत्रा ने बताया कि वैश्विक महामारी कोविड-19 के कारण भारत सरकार के निर्देश पर डीरेका को लगभग 43 दिन से बंद किया गया था। इस दौरान आवश्यक सेवाएं जैसे, सिविल, विद्युत, सुरक्षा, चिकित्सा इत्यादि सेवाएं अनवरत चालू रही। उन्होंने बताया कि लाख डाउन के दौरान किसी को भी समस्या ना उत्पन्न होने पाए इसका विशेष ध्यान रखा जा रहा था। वही कार्यरत सभी कर्मचारियों ने कोविड-19 से लड़ने के लिए अपने सैलरी में से अंशदान किया था। जो सभी के लिए गर्व की बात है।

डेली वर्ल्ड, वाराणसी, दिनांक 05.05.2020

डीरेका में 43 दिन बाद कार्य प्रारम्भ

वैश्विक महामारी कोरोना से बचाव के लिए लागू लॉकडाऊन में करीब 43 दिन से बंद डीरेका वाराणसी का कार्यालय गृह मंत्रालय के निदेशों का अनुपालन करते हुए 4 मई से रुके हुए कार्यालयी कार्य को पुनः खोल दिया गया। लगभग 43 दिन के अंतराल के पश्चात डीरेका प्रशासन द्वारा यह निर्णय लिया गया है कि डीरेका उपनगर के आवासों में रहने वाले कर्मचारियों से ही अधिकतम 33 प्रतिशत फॉमूर्ला के आधार पर सेवायें लिया जायेगा। कोविड-19 महामारी के दृष्टिगत कार्यालय समय को तीन भागों में बांटा गया है, ताकि प्रवेश द्वार पर एक समय में भीड़ इकट्ठी न हो । मुख्य द्वार एवं कार्यालय में दो मीटर के सामाजिक दुरी की व्यवस्था की गई है तथा प्रवेश द्वार पर सभी कर्मचारियों की थर्मल स्कैनिंग की जा रही है । साथ ही, सभी कार्यस्थलों, प्रवेश द्वारों आदि जगहों पर समय समय पर सैनेटाइजेशन की व्यवस्था की गई है। विदित हो कि वैश्विक महामारी कोविड-19 के कारण भारत सरकार के निदेर्शानुसार डीरेका लगभग 43 दिन से बंद था।

/ डेली वर्ल्ड रिपोर्टर

आई नेक्स्ट (दैनिक जागरण), वाराणसी, दिनांक 05.05.2020

डीएलडब्ल्यू में 43 दिन बाद खुला ऑफिस

VARANASI (4 May): डीएलडब्लू में सोमवार से ऑफिस का कार्य शुरू हो गया है. 43 दिन बाद शुरु हुए काम में सिर्फ 33 परसेंट कर्मचारियों से काम लिया जाएगा और ये सभी डीरेका उपनगर में ही रहने वाले होंगे. सीपीआरओ के मुताबिक कोविड 19 महामारी के ध्यान में रखते हुए कार्यालय समय को तीन भागों में बांटा गया है, ताकि प्रवेश द्वार पर एक समय में भीड़ इकट्ठी न हो. मुख्य द्वार एवं कार्यालय में दो मीटर के सामाजिक दुरी की व्यवस्था की गई है तथा प्रवेश द्वार पर सभी कर्मचारियों की थर्मल स्क्रीनिंग की जा रही है.